अपठित अनुच्छेद का पठन और अवधारण

तृतीय भाषा का विद्यार्थी किसी अपठित अनुच्छेद को पढ़कर समझ सकता है, क्योंकि वह हिन्दी भाषा से परिचित है और अपनी बुद्धि से विचार के सिलसिले को समझ सकता है। अत: किसी अपठित अनुच्छेद को पढ़कर वह उसमें से प्रश्नों के उत्तर दे सकता है।

इस कार्य के लिए उसे निम्नलिखित विषयों पर ध्यान देना होगा –

(१) अपठित अनुच्छेद को एकाधिक बार पढ़ लेना चाहिए।

(२) उसमें आये मुख्य विचारों और भावों को समझकर रेखांकित कर लेना चाहिए।

(३) अनुच्छेद के बाद आये प्रश्नों के उत्तर उसी में खोजने का प्रयत्न करना चाहिए।

(४) उत्तर लिखते समय यथासंभव अपने शब्दों का प्रयोग कर लेना चाहिए।

(५) क्रिया के काल का ध्यान रखना चाहिए। जिस काल में प्रश्न हो, उसी काल में ही उतर देना चाहिए।

नोट : प्रश्न दो प्रकार के होंगे। कुछ प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में देना पड़ेगा और कुछ प्रश्नों के उतर दो-एक शब्दों में।

उदाहरण : जब पूर्णिमा का चाँद आकाश में उदय होता है, तो उसका दृश्य देखते ही बनता है। अगर आसमान साफ हो, तो गोलाकार चन्द्रमा सबका मन मोह लेता है। वह मन में इतना लोभ जगाता है कि उसे हाथ में ले लेने की इच्छा होती है। इसलिए रूठे हुए शिशुओं को समझाने के लिए माँ चाँद को दिखलाती है। उसे मामा कहकर बुलाती है। शिशु चाँद को देखते ही खुश हो जाता है और रोना बंद कर देता है। आज हम जानते हैं कि चन्द्रमा की अपनी किरण नहीं होती। जब सूर्य की किरणें उस पर पड़ती हैं, तो वह जगमगा उठता है। चन्द्रमा धरती के अति निकट है, इसलिए उसे जानने के लिए विज्ञान बहुत-सी कोशिश करता है। इसका नतीजा यह हुआ कि आज आदमी चाँद पर जा पहुँचा है।

प्रश्न : १. ऊपर लिखे गये गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में दीजिए –

(१) गोलाकार चन्द्रमा कब सबका मन मोह लेता है ?

(२) रूठे हुए शिशुओं को समझाने के लिए माँ क्या करती है ?

(३) विज्ञान की कोशिश का नतीजा क्या हुआ ?

प्रश्न : २. निम्नलिखित प्रश्नों के उतर कोष्ठकों में से चुनकर दीजिए -

(१) आसमान का अर्थ है -------- (पाताल, आकाश, आश्चर्य)

(२) मामा का अर्थ है --------(दादा का बेटा, नाना का बेटा, मौसा का बेटा)

(३) चाँद जगमगा उठता है, क्योंकि --------

(उसका अपना प्रकाश है, सूरज की किरणें उस पर पड़ती हैं, वह पृथ्वी के पास है।)

(४) नतीजा -------- शब्द है। (पुंलिंग, स्त्रीलिंग)

■ ■ ■